ज्योत से ज्योत जगाओ राम

ज्योत से ज्योत जगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
ज्योत से ज्योत जगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम
राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम।

भव नदिया है ये गहरी,
और पुरानी नाव मेरी,
भव नदिया है ये गहरी,
और पुरानी नाव मेरी,
तुम ही पार लगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
तुम ही पार लगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
ज्योत से ज्योत जगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम
राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम।

जग में साँची प्रीत कहाँ,
स्वार्थ के ही मीत यहाँ,
जग में साँची प्रीत कहाँ,
स्वार्थ के ही मीत यहाँ,
अब तो तुम अपनाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
अब तो तुम अपनाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,
ज्योत से ज्योत जगाओ राम,
अपना दास बनाओ राम,

राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम
राम राम
राम राम
राम राम
सीता राम।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24434/title/jyot-se-jyot-jagao-ram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |